विद्यालय प्रांगण

प्राथमिक विभाग-कक्षा नर्सरी से पंचम (अंग्रेजी माध्यम, सहशिक्षा)
वरिष्ठ विभाग - कक्षा षष्ठी से द्वादश अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों माध्यम उपलब्ध (केवल कन्याएँ)
एकादश एवं द्वादश (वाणिज्य, नॉन मेडिकल एवं कला संकाय)

(विद्या भारती, हरियाणा)

गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय

अमीन मार्ग, कुरुक्षेत्र

दूरभाष : 01744-251062 (वरिष्ठ विभाग), 01744-270492 (प्राथमिक विभाग)

E-mail : gitakanyaschoolkkr@gmail.com

(विद्या भारती, हरियाणा)

गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय

अमीन मार्ग, कुरुक्षेत्र

दूरभाष : 01744-251062 (वरिष्ठ विभाग), 01744-270492 (प्राथमिक विभाग)

E-mail : gitakanyaschoolkkr@gmail.com

विवरणिका

छठी से आठवीं तक के स्तर में शिवानी प्रथम

स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल को किया प्रेरित

ड मुक्त होने की घोषणा

संस्कार देने वाली शिक्षा की जरूरत

गीता कन्या विद्यालय के 2317 विद्यार्थियों ने लिया भाग

संस्कृति प्रश्न मंच में शिशु वर्ग की दिया प्रथम

वे रहे जिले के टॉपर

गुरु पूर्णिमा पर किया नया पौधरोपण

शैक्षिक गुणवत्ता

प्रारम्भ से ही हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं में विद्यालय के परिणाम सामान्यत शत–प्रतिशत रहे हैं। इसके अतिरिक्त प्रतिवर्ष कई छात्राएँ विद्या भारती की नारायण प्रतिभा खोज प्रतियोगिता एवं विभिन्न विषयों की ओलंपियाड प्रतियोगिताएँ उत्तीर्ण करती हैं।

आन्तरिक मूल्यांकन

विद्यार्थियों में नियमित रूप से शैक्षिक स्तर में प्रगति सुनिश्चित करने के लिए सतत् व्यापक मूल्यांकन वांछनीय है। इस आशय हेतु यह विद्यालय वर्ष भर में अनेक लघु एवं सत्रीय परीक्षाएँ आयोजित करता है। विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभागिता एवं व्यवहार के आधार पर व्यक्तित्व का सतत् मूल्यांकन किया जाता है जिसे प्रगति विवरणिका में अंकित किया जाता है। वार्षिक परीक्षा फल सभी परीक्षाओं के सारांश को जोड़ कर निकाला जाता है।

शैक्षिक सारिणी

वर्ष के प्रारम्भ में सभी छात्राओं को दैनन्दिनी के साथ एक सुन्दर सचित्र शैक्षिक पंचांग दिया जाता है। इसकी सारणी में समय–समय पर विद्यालय में मनाये जाने वाले उत्सव, जयन्तियाँ, अवकाश, परीक्षाएँ, प्रतियोगिताओं आदि के विवरण तिथि के अनुसार अंकित होते हैं।

प्रयोगशालाएँ

आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, कम्प्यूटर, वैदिक गणित एवम् संस्कृत प्रयोगशालाएँ हैं ।

अवकाश

ग्रीष्मावकाश सामान्यत: 1 जून से 30 जून तक होता है। शेष अवकाशों का विवरण विद्यालय पंचांग में दिया जाता है। अवकाशों का निर्धारण हिन्दू शिक्षा समिति द्वारा किया जाता है।

विद्यालय वाहन

कुरुक्षेत्र नगर व समीप के गाँवों से आने वाली छात्राओं के लिए विद्यालय वाहन की सुविधा है।

आचार्या–अभिभावक सम्पर्क

विद्यालय आचार्या समय–समय पर अभिभावकों के साथ सामूहिक रूप से विचार–विमर्श करती हैं। इसके साथ–साथ परिवार से सम्पर्क किया जाता है।

प्रवेश पद्धति

प्रवेश हेतु पंजीकरण 1 मार्च से प्रारम्भ होता है। विद्यार्थी को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी के नियमों के अनुसार दाखिला दिया जाता है।

पाठ्य विषय एवं वर्ग

✲ छठी से दसवीं तक हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित सभी विषय –

1. छठी से आठवीं तक ड्राइंग और संगीत में से एक विषय का चयन
2. नौवीं तथा दसवीं में संगीत, शारीरिक शिक्षा व संस्कृत में से किसी एक विषय का चयन।
3. हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों माध्यमों में शिक्षा की सुविधा उपलब्ध।

✲ ग्यारहवीं व बारहवीं के लिए अंग्रेजी विषय अनिवार्य है।

1. विज्ञान संकाय– 1. भौतिकी विज्ञान 2. रसायन विज्ञान 3. गणित 4 हिन्दी/कम्प्यूटर
2. वाणिज्य संकाय– 1. लेखांकन 2. अर्थशास्त्र अथवा गणित 3. व्यावसायिक अध्ययन 4. हिन्दी
3. कला संकाय– 1. अर्थशास्त्र/शारीरिक शिक्षा 2. इतिहास/संगीत 3. राजनीति शास्त्र/संस्कृत/गणित 4. हिन्दी।

नियमावली

1. प्रदत्त शुल्क की राशि वापिस नहीं की जायेगी।
2. मासिक शुल्क प्रत्येक माह की 10 तारीख तक जमा करवाना अनिवार्य है व निर्धारित तिथि के बाद जमा करवाने पर 10 रू० प्रतिदिन विलम्ब शुल्क देना होगा। शुल्क चैक द्वारा भी जमा करवाया जा सकता है ।
3. विद्यार्थी के अनुपस्थित या अवकाश पर होने पर भी निर्धारित तिथि को ही शुल्क देने का प्रबन्ध करना होगा।
4. विद्यालय से बिना आवेदन पत्र स्वीकृत करवाये अनुपस्थित रहने पर 10 रू० प्रतिदिन अर्थदण्ड देना होगा।
5. यदि कोई विद्यार्थी महीने में चार दिन अनुपस्थित हो जाता है तो उसके अभिभावकों को विद्यालय में आकर प्राचार्या/कक्षाचार्या से स्वयं मिलना होगा।
6. प्रात: कालीन वन्दना सभा में सभी विद्यार्थियों एवं आचार्याँ की उपस्थिति अनिवार्य है।
7. विद्यालय में आयोजित कार्यक्रमों, पाठ्येतर गतिविधियों, अतिरिक्त पाठ्य कक्षाओं व खेलों में भाग लेना आवश्यक है।
8. प्रत्येक विषय के व्याख्यानों और क्रियात्मक कक्षाओं में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है अन्यथा विद्यार्थी विद्यालय तथा बोर्ड की परीक्षा का पात्र नहीं होगा।
9. विद्यालय में कार्यरत आचार्या/कर्मचारियों के बच्चों के लिए शुल्क में 30 प्रतिशत छूट की व्यवस्था है।
10. सभी विद्यार्थियों को गृह परीक्षा देना अनिवार्य है।
11. छात्राओं को बिना ड्राइविंग लाइसेन्स के विद्यालय में वाहन लाने की अनुमति नहीं है।
12. विद्यार्थियों को विद्यालय में मोबाइल फोन रखने की अनुमति नहीं है।

वरिष्ठ विभाग

	नाम	योग्यता	पद
2.	श्रीमती नरेश चौधरी	एम.पी.एड., एम.ए.,बी.एड., एल.एल.बी.	अध्यापिका (शारीरिक शिक्षा)
3.	श्रीमती मधु सचदेवा	एम.ए., बी.एड.	प्राध्यापिका (हिन्दी)
4.	श्रीमती ज्योति	एम.ए., बी.एड.	अध्यापिका (हिन्दी)
5.	श्रीमती रंजना	एम.ए., बी.एड.	अध्यापिका (हिन्दी)
6.	श्रीमती मीना	एम.ए., एम.एड.	प्राध्यापिका (अंग्रेजी)
7.	श्रीमती सुनैना	एम.ए., बी.एड.	प्राध्यापिका (अंग्रेजी)
8.	श्रीमती वैष्णो	एम.ए., बी.एड.	अध्यापिका (अंग्रेजी)
9.	श्रीमती रजनी	एम.एस.सी., बी.एड.	प्राध्यापिका (गणित)
10.	श्रीमती वर्षाली	एम.एस.सी., बी.एड.	प्राध्यापिका (गणित)
11.	श्रीमती अनीता गर्ग	एम.एस.सी., बी.एड.	अध्यापिका (गणित)
12.	श्रीमती सुमन रानी	बी.ए., बी.एड.	अध्यापिका (गणित)
13.	श्रीमती राज बाला	बी.एस.सी., बी.एड.	अध्यापिका (विज्ञान)
14.	कु० समिधा	बी.एस.सी., बी.एड., एम.ए., पी.जी.डी.सी.ए.	अध्यापिका (विज्ञान)
15.	श्रीमती शिल्पा	एम.एस.सी., बी.एड.	प्राध्यापिका (भौतिक विज्ञान)
16.	श्रीमती अनिता	एम.एस.सी., बी.एड.	प्राध्यापिका (रसायन विज्ञान)
17.	श्रीमती अंजु बंसल	एम.ए., बी.एड.	प्राध्यापिका (अर्थशास्त्र)
18.	श्रीमती पिंकी	एम.कॉम.,एम.फिल.,पी.जी.डी.सी.ए.,एम.ए.,बी.एड.,एम.बी.ए.	प्राध्यापिका (वाणिज्य)
19.	श्रीमती शिखा	एम.कॉम., बी.एड., एम.बी.ए.	प्राध्यापिका (वाणिज्य)
20.	श्रीमती कनिका	एम.ए., बी.एड., सी.सी.ए.	प्राध्यापिका (संगीत)
21.	श्रीमती रश्मि	एम.ए., एम.एड.	अध्यापिका (राजनीति विज्ञान)
22.	श्रीमती गीता धीमान	एम.सी.ए.	अध्यापिका (कम्प्यूटर)
23.	श्रीमती संतोष	एम.ए., बी.एड.	प्राध्यापिका (संस्कृत)
24.	श्रीमती पूनम शर्मा	एम.ए.,बी.एड.,आर्ट/क्राफ्ट,एन.टी.टी., एम.ए. फाइन आर्ट	अध्यापिका (ड्राइंग)
25	श्रीमती दया	एम.पी.एड.	अध्यापिका (डी.पी.)

प्राथमिक विभाग

	नाम	योग्यता	पद
1.	श्रीमती शकुन्तला	बी.ए., बी.एड.	प्राथमिक विभाग प्रमुख
2.	श्रीमती सुवेश	एन.टी.टी.	अध्यापिका
3.	श्रीमती मीना	एन.टी.टी.	अध्यापिका
4.	श्रीमती मिनाक्षी	एम.ए., बी.एड.	अध्यापिका
5.	श्रीमती मंजुला	एम.ए., बी.एड.	अध्यापिका
6.	श्रीमती रेखा सिंह	एम.एस.सी., बी.एड.	अध्यापिका
7.	श्रीमती सुनीता	एम.ए., बी.एड.	अध्यापिका
8.	श्रीमती बिन्दु	एम.ए., बी.एड.	अध्यापिका
9.	श्रीमती नीलम	एम.ए.	अध्यापिका

कार्यालय कर्मचारी

	नाम	पद
1.	श्री विकास	लिपिक
2.	श्री देवेन्द्र	लिपिक
3.	श्रीमती अंजू	लिपिक
4.	श्रीमती मंजू	लाईब्रेरीयन

हमारा लक्ष्य

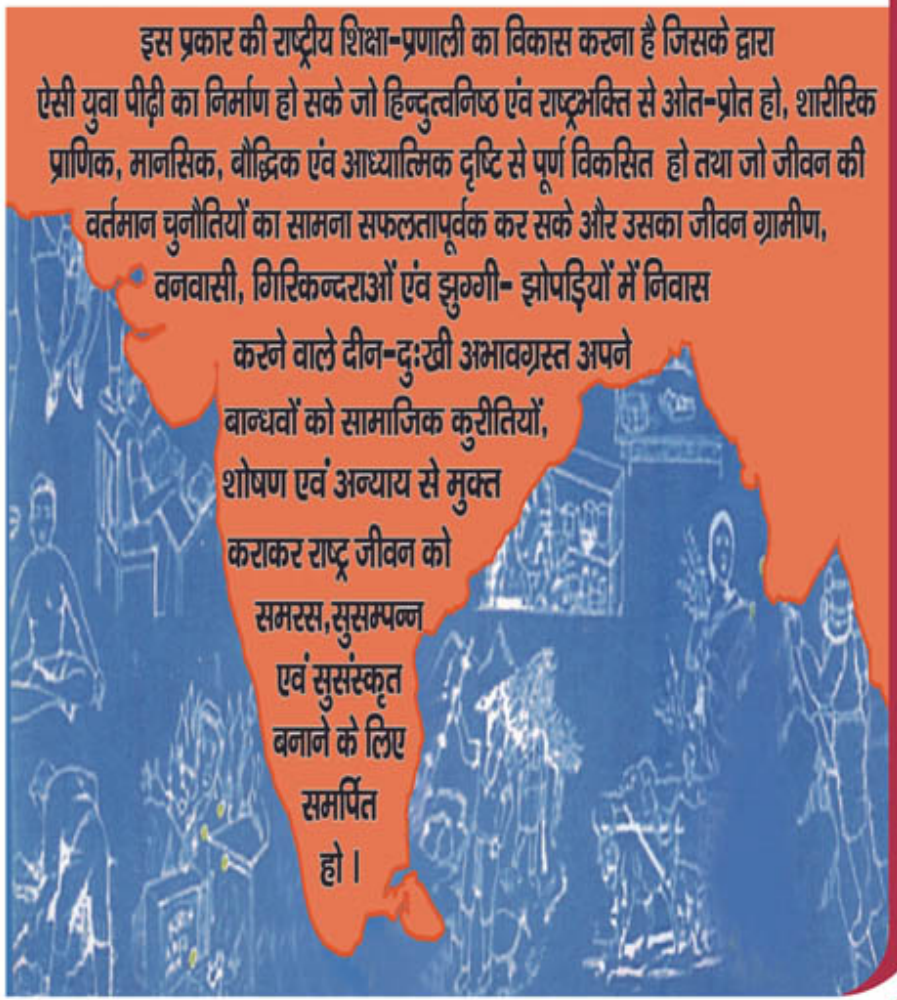

अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा

देश की महान सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी को हस्तगत करने तथा हमारे श्रेष्ठ जीवन मूल्यों का निरन्तर परिचय छात्राओं से कराने के महान उद्देश्यों को लेकर विद्या भारती ने संस्कृति बोध परियोजना प्रारम्भ की है। जिसके अनुरूप देश भर में प्रतिवर्ष 10 लाख विद्यार्थी संस्कृति ज्ञान परीक्षा देते हैं। इसके अतिरिक्त संस्कृति निबंध एवं संस्कृति प्रश्न मंचों का आयोजन भी इस परियोजना के अन्तर्गत किया जाता है। जिसकी प्रत्येक कक्षा के लिए अलग–अलग पाठ्य पुस्तकें निर्धारित की गई हैं। इसके द्वारा छात्रों को अपनी मातृभूमि, धर्म, सांस्कृतिक परम्पराओं एवं महापुरुषों के जीवन–कार्यों का ज्ञान करवाया जाता है। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए संस्कृति ज्ञान परीक्षा को उत्तीर्ण करना आवश्यक है। आचार्य बहनों के लिए भी संस्कृति ज्ञान परीक्षा (चार स्तरों पर) का प्रावधान है।

बाल भारती

लोकतांत्रिक कार्य प्रणाली के व्यावहारिक ज्ञान के लिए बालिका भारती का गठन किया जाता है। इससे बालिकाओं में नेतृत्व की क्षमता, दायित्व–निर्वाह तथा समस्याओं के निदान की निर्णायक बुद्धि का विकास होता है। बालिका भारती के प्रधान का चुनाव बहुमत के आधार पर करते हैं। बालिका भारती की प्रधानमंत्री अपने अन्य सहयोगी मंत्रियों का चयन करती है। समय–समय पर इनकी बैठक होती रहती है।

संस्कृत

विद्यालय में बालिकाओं को संस्कृत भाषा की शिक्षा भी दी जाती है। संस्कृत विषय में ऐसे असंख्य ग्रन्थ हैं जो आधुनिक ज्ञान–विज्ञान की विविध धाराओं को पुष्ट करने का सामर्थ्य रखते हैं। इसलिए संस्कृत छठी कक्षा से आठवीं कक्षा तक अनिवार्य एवं नौवीं से बारहवीं कक्षा तक ऐच्छिक विषय के रुप में पढ़ाई जाती है, जो छात्राओं को भारतीय संस्कृति से जोडती है।

एन० सी० सी० ऍयर विंग

हमारे विद्यालय में N.C.C. Air Wing स्थापित है जिसका जिसका छात्राओं को भविष्य में बहुत लाभ मिलता है। हमारे विद्यालय का N.C.C. Air Wing का प्रदर्शन गत चार वर्षों से पूरी युनिट में प्रथम स्थान पर रहा है जो कि विद्यालय से लिए बड़े ही गर्व का बात है। Annual Training Camp तथा Camp में विभिन्न प्रतियोगिताएँ हुई। हमारी कैडेट्स ने Group Song, Group Dance, Solo Song, Solo Dance में भाग, लिया। इसके अतिरिक्त सामाजिक कार्यों में भी भाग लिया। N.C.C. Day पर कैडेट्स ने में प्रतिभागिता की।

शैक्षिक भ्रमण

प्रत्येक वर्ष बालिकाओं के लिए शैक्षिक भ्रमण आयोजित करने का भी प्रावधान है। इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण न केवल बालिकाओं के बौद्धिक स्तर को बढ़ाते हैं अपितु अपने देश एवं संस्कृत से भी साक्षात्कार कराते हैं।विगत कुछ वर्षों में छात्राओं को आगरा, मथुरा, वृन्दावन, गोकुल, जयपुर, सालासर, खाटूश्याम जी, जलियांवाला बाग, स्वर्ण मंदिर, सुखना झील, रॉकगार्डन एवम् छतबीड़ चिड़ियाघर का भ्रमण कराया गया।

पाठ्य सहगामी गतिविधियाँ

देश–प्रदेश के सरकारी–गैरसरकारी प्रतिष्ठानों द्वारा आयोजित संभाषण, गायन, मेंहदी, रंगोली, झांकी, सांझी, क्ले माडलिंग, फलॉवर मेकिंग, अभिनय, लेखन, कला की विविध प्रतियोगिताओं में बालिकाएँ प्रति वर्ष सैंकड़ों पुरस्कार अर्जित करती हैं। इसके अतिरिक्त विद्यालय स्तर पर प्रत्येक शनिवार को कोई न कोई प्रतियोगिता अथवा बाल सभा आयोजित की जाती है। जहाँ बालिकाओं को अपनी प्रतिभा विकास का प्रचुर अवसर प्राप्त होता है।

बालिका के शिक्षित होने से, शिक्षित होगा हर नर नारी ।
ये नन्हीं कलियाँ पुष्प बनेंगी, महक उठेगी क्यारी–क्यारी। ।

आज की बालिका को कल के भारत के निर्माण का दायित्व वहन करना है। किसी भी देश के बालकों का आन्तरिक, बाह्य, मानसिक एवं शारीरिक गठन करने में नारी की प्रमुख भूमिका होती है। नारी ही जीजा बाई बनकर शिवा का निर्माण करती है, तो शकुन्तला बन कर सिंह शावकों से लड़ने वाले यशस्वी भरत राष्ट्र को प्रदान करती है। भौतिकवाद की अंधी दौड़ एवं पाश्चात्य संस्कृति के अन्धानुकरण तथा लार्ड मैकाले द्वारा प्रचलित दूषित शिक्षा प्रणाली ने राष्ट्र को ऐसे पतन के कहर में धकेल दिया है जहां हमारी परम्पराओं तथा जीवन मूल्यों का अस्तित्व संकट में पड़ गया है। आज राष्ट्र की आत्मा क्षत–विक्षत होकर कराह रही है। जब तक देश की नारी शिक्षित होकर अपनी खोई गरिमा पुनः प्राप्त नहीं करती तब तक देशोत्थान की कल्पना करना आकाश कुसुम पाने की इच्छा मात्र है। विद्यालय एक मंदिर है। प्रत्येक बालिका देव प्रतिमा है। इन्हीं में से बनेंगी गार्गी, मीरा, लीलावती, दुर्गा एवं लक्ष्मी। आइए आप और हम मिलकर अपनी बालिकाओं का निर्माण इस प्रकार करें कि कोई अग्नि इन्हें जला न पाए, कोई अत्याचारी इन्हें सताने न पाए। एक ऐसी क्रान्ति उठे जिसमें नारी जाति का खोया गौरव उसे पुनः प्राप्त हो सके। इसके लिए आवश्यक है संस्कारमय शिक्षा प्रणाली की। गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय इस दिशा में बढ़ता हुआ छोटा–सा प्रयास है। ये बालिकाएं आपकी और हमारी हैं जिन्हें आवश्यकता है आपके सहयोग की, आपके दिग्दर्शन की, एक महान राष्ट्र की, महान परम्पराओं की तथा महान संस्कृति की, इन्हें पल्लवित करने का दायित्व हम सबका है।

होगी यदि बालिका उन्नत, राष्ट्र न झुकने पाएगा,
घर–घर महकेगा खुशियों से, नवोदय इसमें आएगा।

सुनीता चावला

प्राचार्या
सुनीता चावला

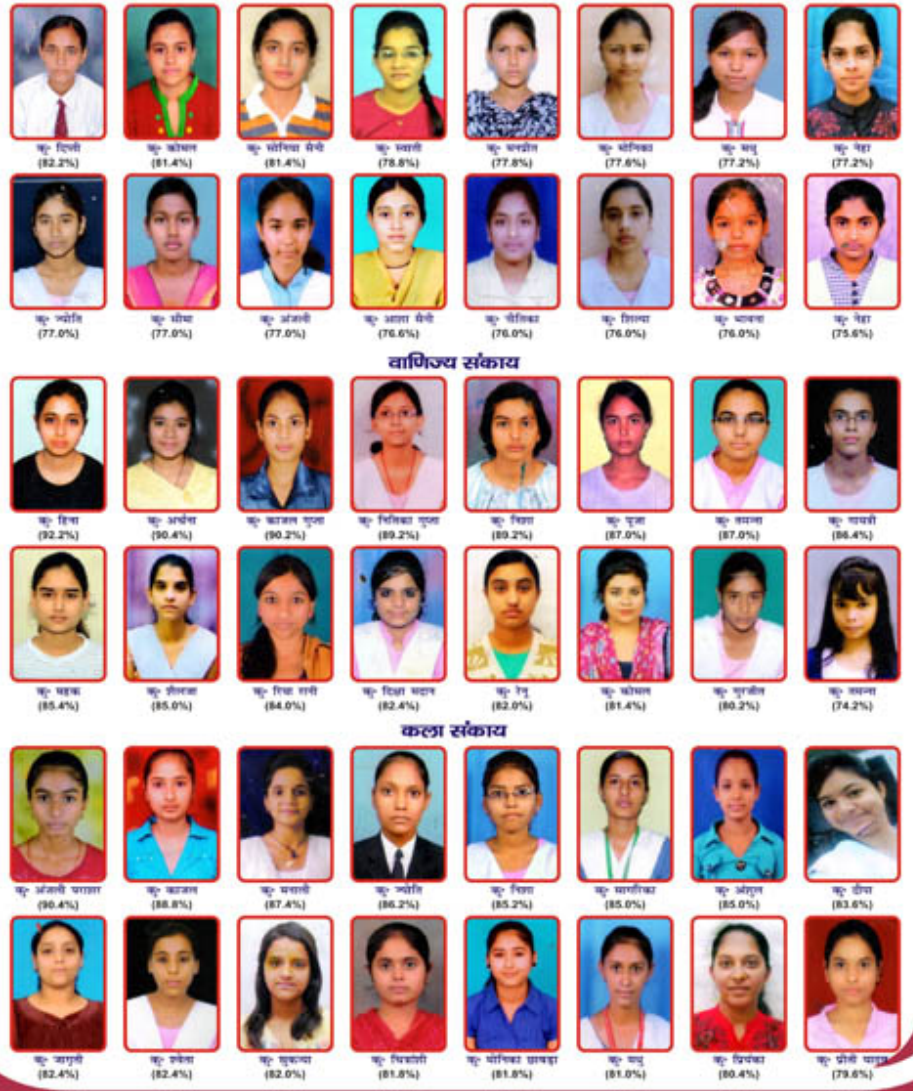

व्यवस्था दर्पण

शैक्षिक सत्र

शैक्षिक सत्र अप्रैल के प्रथम सप्ताह से प्रारम्भ होकर आगामी वर्ष की 31 मार्च तक चलता है।

समय

सत्र के प्रारम्भ से लेकर 31 अक्तूबर तक विद्यालय का समय प्रातः8.00 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक रहता है। नवम्बर से विद्यालय का समय प्रातः 8:30 से दोपहर 3:00 बजे तक रहता है।

गणवेश

निर्धारित वेश में विद्यालय आना प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अनिवार्य है। अधूरे अथवा बिना विद्यालय वेश की स्थिति में आर्थिक दण्ड देने का निर्णय लिया जा सकता है।

वरिष्ठ विभाग

ग्रीष्मकालीन

सोमवार, मंगलवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार को गुलाबी कमीज (षष्ठी से दशम्),
आसमानी कमीज (एकादश एवम् द्वादश) सफेद सलवार, सफेद दुपट्टा, सफेद जुराबें, काले जूते।
बुधवार व शनिवार (षष्ठी से द्वादश)
सफेद कमीज, सफेद सलवार, सफेद दुपट्टा, सफेद जुराबें, काले जूते।

शीतकालीन

सोमवार, मंगलवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार को गुलाबी कमीज (षष्ठी से दशम्),
आसमानी कमीज (एकादश एवम् द्वादश) सफेद सलवार, सफेद दुपट्टा, नीला स्वेटर/ब्लेजर
सफेद जुराबें, काले जूते।
बुधवार व शनिवार (षष्ठी से द्वादश)
सफेद कमीज, सफेद सलवार, सफेद दुपट्टा, नीला स्वेटर/ब्लेजर, सफेद जुराबें, काले जूते।

प्राथमिक विभाग

ग्रीष्मकालीन

स्लेटी निक्कर (छात्रों के लिए), स्लेटी स्कर्ट (छात्राओं के लिए), सफेद कमीज, सफेद जुराबें, काले जूते।

शीतकालीन

स्लेटी पैंट (छात्रों के लिए) स्लेटी स्कर्ट (छात्राओं के लिए), सफेद कमीज, लाल स्वैटर, सफेद जुराबें, काले जूते।

सर्वांगीण विकास के आयाम

योग

योग शिक्षा को प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अनिवार्य बनाया गया है। बालिकाओं में क्षमताओं के सतत् एवं त्वरित विकास के लिए योग शिक्षा के महत्त्व को स्वीकृति प्राप्त हो रही है। छात्राओं की आत्मरक्षा के लिए जूडो कराटे सिखाने का भी प्रावधान है।

शारीरिक शिक्षा

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान एवं हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के नीति–निर्देशों के अनुरूप शारीरिक शिक्षा की ओर विशेष ध्यान दिया जाता है। जिसके कारण विद्यालय की छात्राएँ जिला एवं प्रदेश स्तर की स्पर्धाओं में भाग लेती हैं।

नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा

सक्षम, स्वाभिमानी एवं सेवा भावी नागरिकों के निर्माण के लिए ऐसे जीवन मूल्यों को चिन्हित किया जाता है जिनका विभिन्न अवसरों पर छात्राओं को सम्प्रेषण, उन्हें जीवन की योग्य दिशा प्रदान करता है। इन्हीं जीवन मूल्यों के समुच्चय से नैतिक, आध्यात्मिक शिक्षा का व्यवस्थित पाठ्यक्रम बनाया जाता है।

संगीत शिक्षा

भावनात्मक विकास एवं संस्कारों के सहज सम्प्रेषण के लिए संगीत को सर्वोत्तम माध्यम माना गया है। नियमित संगीत कक्षाओं के अतिरिक्त विद्यालय के प्रत्येक छोटे– बडे आयोजन को संगीतमय बनाया जाता है। संगीत प्रत्येक विषय को रसमय एवं रोचक बना देता है।

कक्षा दशम् की मेधावी छात्राएँ

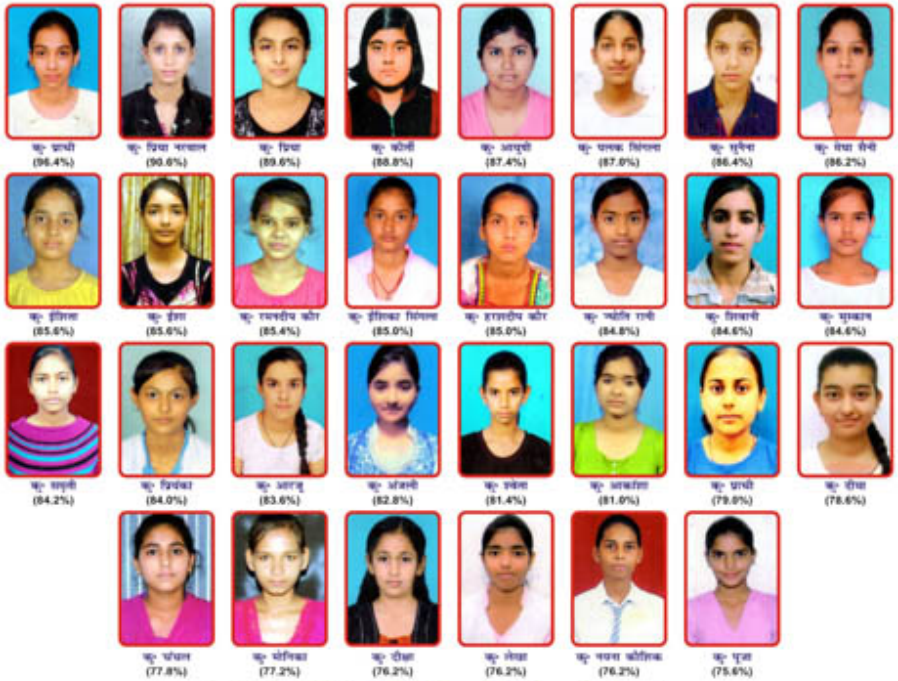

कक्षा द्वादश की मेधावी छात्राएँ (विज्ञान संकाय)

स्थापना एवं उद्देश्य

"यत्र नार्यस्तु पूजयते, रमन्ते तत्र देवता"। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु गीता की पावन जन्म स्थली कुरुक्षेत्र के अमीन मार्ग पर 1970 में इस विद्यालय का एक नन्हे पौधे के रुप में जन्म हुआ। आज यह नन्हा अंकुर पूर्ण वृक्ष बनकर अपनी अनेक शाखाओं द्वारा दिन-प्रतिदिन फल-फूल रहा है। स्थापना समय से विद्यालय ने दिन-प्रतिदिन उन्नति कर अपना एक अहम् स्थान बनाया है। विद्यालय विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के मार्गदर्शन में संचालित है। जिसके द्वारा लगभग 24,000 शिक्षण संस्थाओं का संचालन किया जाता है। इसका उद्देश्य ऐसी राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना है जो हिन्दुत्व एवं राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो, शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित हो तथा जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके।

स्थिति

विद्यालय अमीन मार्ग पर स्थित है। कुरूक्षेत्र रेलवे स्टेशन से लगभग ½ किलोमीटर और थानेसर बस अड्डे से एक किलोमीटर की दूरी पर है। थानेसर पिपली रोड पर श्रद्धानन्द चौक से अहिल्याबाई चौक पहुँचने पर अमीन मार्ग पर लगभग 200 मी० के रास्ते पर है।

परिसर व वर्तमान स्वरूप

विद्यालय परिसर आधुनिक शिक्षा तकनीक में सम्मिलित सभी आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। सुसज्जित भवन जिसमें विज्ञान कक्ष, भौतिकी विज्ञान, रसायन विज्ञान एवम् कम्प्यूटर, वैदिक गणित एवम् संस्कृत की आधुनिक प्रयोगशालाएँ, समृद्ध पुस्तकालय, संगीत कक्ष, शिशु बालक-बालिकाओं के लिए मनमोहक शिशु वाटिका कक्ष है। प्राथमिक विभाग में बालक-बालिकाएँ (सहशिक्षा) एवम् वरिष्ठ विभाग में केवल बालिकाएँ नगर के साथ-साथ विभिन्न गाँवों से भी अध्ययन के लिए आ रहे हैं।